भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 181

जिसका उत्तर मंगलवार, 22 जुलाई, 2025/31 आषाढ़, 1947 (शक) को दिया जाना है।

नैनो-उर्वरकों को बढ़ावा दिया जाना

181. श्री मेदा रघुनाधा रेड्डी:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नैनो-उर्वरकों के व्यावसायिक उपयोग में तेजी लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;
(ख) क्या सरकार नैनो-उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए इनके उत्पादन पर सब्सिडी देने का विचार रखती है;
(ग) क्या सरकार नैनो-उर्वरकों के लिए प्रभावी और सस्ती छिड़काव तकनीक विकसित कर रही है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ड.) क्या सरकार निजी क्षेत्र द्वारा नैनो-उर्वरकों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजना लाने का विचार रखती है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): किसानों के बीच नैनो उर्वरकों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित उपाए किए गए हैं:-

i. नैनो उर्वरकों के प्रयोग को विभिन्न गतिविधियों जैसे कि जागरूकता शिविरों, वेबिनारों, नुक्कड़ नाटकों, क्षेत्रीय प्रदर्शनों, किसान सम्मेलनों और क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों आदि के माध्यम से बढ़ावा दिया जाता है।

ii. नैनो उर्वरकों को संबंधित कंपनियों द्वारा प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (पीएमकेएसके) पर उपलब्ध कराया जाता है।

iii. नैनो उर्वरकों को उर्वरक विभाग द्वारा जारी नियमित रूप से मासिक आपूर्ति योजना में शामिल किया गया है।

iv. आईसीएआर ने भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल के माध्यम से हाल ही में "उर्वरक (नैनो-उर्वरकों सहित) के कारगर और संतुलित उपयोग" पर राष्ट्रीय अभियान का आयोजन किया।

v. पत्तियों पर छिड़काव के माध्यम से नैनो यूरिया जैसे नैनो उर्वरकों के छिड़काव और उपयोग में आसानी के लिए 'किसान ड्रोन' जैसे नवोन्मेषी छिड़काव विकल्पों और खुदरा बिक्री केंद्रों पर बैटरी चालित छिड़काव मशीनों (स्प्रेयरों) का वितरण जैसी पहलें की जाती हैं। इस प्रयोजन के लिए, ग्राम स्तरीय उद्यमियों के माध्यम से पायलट प्रशिक्षण और कस्टम हायरिंग छिड़काव सेवाओं को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाता है।

vi. उर्वरक विभाग ने उर्वरक कंपनियों के सहयोग और परामर्श से तथा स्तरीय प्रदर्शनों के माध्यम से देश के सभी 15 कृषि-जलवायु क्षेत्रों में नैनो डीएपी को अपनाने के लिए एक महाअभियान शुरू किया है। इसके अलावा, उर्वरक विभाग ने उर्वरक कंपनियों के सहयोग से देश के 100 जिलों में नैनो यूरिया प्लस के लिए क्षेत्र स्तरीय प्रदर्शनों और जागरूकता कार्यक्रमों के लिए भी अभियान शुरू किया है।

(ख): वर्तमान में उर्वरक विभाग नैनो उर्वरकों के लिए कोई सब्सिडी नहीं देता है। तथापि, उर्वरक विभाग अपने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को नैनो उर्वरक उत्पादन संयंत्र स्थापित करने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रहा है।

(ग) और (घ): ड्रोन के उपयोग से नैनों उर्वरकों का छिड़काव किफायती तकनीक के रूप में उभर कर सामने आया है। इस संदर्भ में, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने नमो ड्रोन दीदी स्कीम, जो मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित केन्द्रीय क्षेत्र की पहल है, लागू की है। इस पहल का समर्थन करने के लिए उर्वरक विभाग ने उर्वरक कंपनियों के माध्यम से नमो ड्रोन दीदी स्कीम के तहत स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को 1,094 ड्रोन का वितरण किया है।

(ङ.): वर्तमान में, नैनो उर्वरकों के उत्पादन को किसी उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम के अंतर्गत लाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

******